[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6618 **L**

Unique Paper Code : 2135001004

Name of the Paper : Sanskrit Narratology

Name of the Course : **B.A. Prog.**

Semester : II, GE

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for candidates:

1. इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना रोल नम्बर लिखें ।

Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2.अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3.सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer all questions.

1.वैदिक संवाद सूक्तों को संस्कृत आख्यान का आदिस्रोत क्यों माना जाता है? यम-यमी, पुरूरवा-उर्वशी संवाद के आधार पर समझाइए। 18

Why are Vedic Saṁvāda Sūktas considered the earliest source of Sanskrit narratives? Explain on the basis of Yama-Yamī and Purūravā-Urvaśī dialogues.

अथवा / OR

औपनिषदिक आख्यानों की विशेषताएँ बताते हुए याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी संवाद का आख्यानपरक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

State the features of Upaniṣadic ākhyānas and explain the narratological significance of the Yājñavalkya-Maitreyī dialogue.

2.संस्कृत फेबल साहित्य के उद्भव और विकास का परिचय दीजिए। पंचतंत्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशिका की विषयवस्तु का उल्लेख कीजिए। 18

Introduce the origin and development of Sanskrit Fable literature. Mention the subject matter of Pañcatantra, Hitopadeśa, and Vetālapañcaviṁśikā.

अथवा / OR

बृहत्कथा की मूल कथा क्या थी? कथासरित्सागर किस प्रकार बृहत्कथा की परम्परा को आगे बढ़ाता है?

What was the original story of Bṛhatkathā? How does Kathāsaritsāgara carry forward the tradition of Bṛhatkathā?

3.Stylisation, Improvisation, Spatilisation' – संस्कृत आख्यानशास्त्र की इन तीन विशेषताओं को उदाहरण सहित समझाइए। 18

Explain 'Stylisation, Improvisation, Spatilisation' – these three features of Sanskrit Narratology with examples.

अथवा / OR

कथावाचन के चार प्रयोजन – Ritualistic, Spiritualistic, Recreational एवं Pedagogical thrust – का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

Discuss with examples the four purposes of story-telling: Ritualistic, Spiritualistic, Recreational and Pedagogical thrust.

4.मूर्तिकला एवं गुफा-चित्रों में संस्कृत आख्यानों का चित्रण कैसे हुआ है? अजंता/एलोरा के उदाहरण दीजिए। 18

How are Sanskrit narratives depicted in sculpture and cave-paintings? Give examples from Ajanta/Ellora.

अथवा / OR

पंचतंत्र की वैश्विक यात्रा पर निबंध लिखिए।

Write an essay on the global journey of Pañcatantra.

5.निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए | 3x6=18

Write notes on any three:

(I) गाथा नाराशंसी Gāthā Nārāśaṁsī

(II) सूत की परम्परा Tradition of Sūta

(III)बृहत्कथामंजरी Bṛhatkathāmañjarī

(IV) कथासत्र Kathāsatra

(V) शुकसप्तति की कथाशैली Narrative style of Śukasaptati